

प्रेषक,

श्याम सिंह,  
अनुसचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
देहरादून।

पर्यटन अनुभाग :

देहरादून :दिनांक : 25 जनवरी, 2008

विषय :- वित्तीय वर्ष 2007-2008 में राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान, देहरादून/अल्मोड़ा हेतु पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-288/2-3-43/2007-08 दिनांक 23 नवम्बर 2007 तथा वित्त विभाग के पत्र संख्या-1044/XXVII(1)/2007, दिनांक 04 दिसम्बर, 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान देहरादून/अल्मोड़ा हेतु आयोजनेत्तर पक्ष में रु० 4.36 लाख (रुपये चार लाख छत्तीस हजार मात्र) को संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- मानदेय का उपयोग संस्थान में अतिथि वक्तव्यों को मानदेय हेतु उपयोग किया जायेगा न कि कार्मिकों के वितरण हेतु।

4- उपरोक्त धनराशि का उपयोग 31 मार्च, 2008 तक कर लिया जायेगा तथा उक्त तिथि तक पूर्ण उपयोग न होने की वशा में शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- आवंटित की जा रही धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है। स्वीकृत मद के इतर व्यय कदापि न किया जाय।

6- उपरोक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सागान्य-आयोजनेत्तर-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-18-राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान-00-के संलग्न कॉलम-5 में उल्लिखित मानक मद में नामें डाला जायेगा।

7- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ०शा०स०-726/XXXVII(2)/2007, दिनांक 21 जनवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति के आधार पर जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

( श्याम सिंह )  
अनुसचिव।

संख्या 24 /VI/2008-51(पर्यटन)2003 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/अल्मोड़ा।
3. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।

MK

6. निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
7. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
8. प्रधानाचार्य, राजकीय होटल मैनेजमेंट संस्थान अल्मोड़ा/देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-3,
- ✓ 10. एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

*pmr*  
( श्याम सिंह )  
अनुसचिव।

अनुदान संख्या-26

कगट प्राधिकरण तथा लेखाशोधक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	द्वितीय वर्ष के हॉल अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सफल) धनराशि	लेखाशोधक जिसमें धनराशि को स्थानान्तरित किया जाता है	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-5 की सकल धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 की अवशेष धनराशि	अनुवृत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
3452-पर्यटन-80 सामान्य-आयोजन-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-18-राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान-अतिथि-27-विधित्ता व्यय प्रतिपूर्ति-2000		175	1825 (अ)	3452-पर्यटन-80 सामान्य-आयोजन-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-18-राजकीय होटल मैनेजमेंट एवं कैटरिंग संस्थान-अतिथि-27-विधित्ता व्यय प्रतिपूर्ति-2000	36 400		(क) वित्तियोग के प्रेषण व बचत सम्पादित है। (ख) आय-व्यय प्राधिकरण आयोजन धन के कारण प्रेषण प्रेषण हेतु अतिथि आय व्यय को व्यय किया जाता है।
2000		175	1825		438	1389	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनिर्माण से कगट मंगुलत के प्रकार 150,151,158 में संश्लिष्टित प्राधिकरण एवं सीमाओं का उत्तराखण्ड गरी होगा है।

उत्तराखण्ड शासन,

वित्त अनुभाग-3

संख्या-726/XXVII(3)/2006  
देहरादून दिनांक जनवरी 2008

सेवा में,

महानिर्वाहक (लेखा एवं हकदारों),  
जोबसीय भवन, गजपा, देहरादून।

पुनर्विनिर्माण की स्वीकृति।

संख्या- /VI/2008-51(पर्यटन)2003 तद्विनाशित  
प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-  
1-वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून  
2-वित्त अनुभाग-3

आज्ञा से

(रमान सिंह)  
अनुसन्धि।

(रमान सिंह)  
अनुसन्धि।